चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22-7-23	3	1-6

युवाओं की रगों में राष्ट्रीयता की भावना जरूरी : सुरेश जैन

अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की, छात्राओं का समाज में अहम योगदान

जागरण संवाददाता, हिसार : राष्ट्रीय एकता शिविर से युवाओं में व्यक्तित्व का विकास किया जा सकता है। आत्म-विश्लेषण व आत्म-विश्वास अपने अंदर जरूर पैदा करें, उससे ही आपका व्यक्तित्व विकास होगा। तभी देश के सामाजिक विकास में हम अहम योगदान दे सकेंगे। ये विचार वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश जैन ने कहे, जोकि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन के विशेष कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य वक्ता सुरेश जैन ने हकृवि में पढ़ने वाली छात्राओं की संख्या जानकार प्रसन्नता व्यक्त की व कहा कि छात्राओं का समाज के विकास में अहम योगदान होता है। मुख्य वक्ता ने राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेनी वाली छात्राओं से विशेष रूप से 4 बातों का अनुसरण करने के लिए आह्वान किया, जिनमें पहली बात आत्म-विश्वास को बढ़ाने, शरीर को स्वस्थ रखने, संस्कारों की समझ रखने व कार्य-दक्षता बढ़ाने पर जोर देने के लिए कहा। छात्राओं में आत्म-विश्वास उन्हें स्नेह, सम्मान व उनके अस्तित्व को स्वीकार कर बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में नई पीढ़ी को बचपन से ही देशभक्ति पैदा करनी जरूरी, जिसमें माता-पिता व शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। युवाओं को व्यक्तित्व विकास के लिए उनको आत्म-विश्लेषण, संस्कारों की समझ व सकारात्मकता का भाव को बहुत ही महत्वपूर्ण बतलाया।

राष्ट्रीय एकता शिविर के संध्याकाल में नृत्य पेश करते कलाकार। • पीआरओ

उत्तराखंड के गाने ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो पर थिरके स्वयंसेवक

शिविर के दूसरे दिन के संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी। उत्तराखंड के कलाकारों ने कुमाउनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने काजारी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व रंगीला स्टाइल से अपनी-अपनी संस्कृति से रूबरू करवाया। ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो और बजू पाको बाश मासा-नरेण काफल पाको चैत मेरी छैला गाने पर कलाकारों ने थिरकर जिंदगी जीने की सार्थकता को बतलाया। खास बात थी कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में आयोजित रंगा-रंग कार्यक्रम में लघु भारत की झलक देखने को मिली, जिसे देखने पर 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों सहित अन्य दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इसके बाद सायंकालीन में विश्वविद्यालय के गेट नंबर- 4 से कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली की शुरुआत की।

आधुनिक विज्ञान व पौराणिक ज्ञान में सामंजस्य स्थापित करना जरूरी : प्रो. बीआर कांबोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने आत्म-अवलोकन व कौशल विकास करने पर युवाओं को जोर देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवक जो भी बातें सीखते हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में अनुसरण कर देश के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें। प्राकृतिक संसाधनों की भरपूर उपलब्धता व आर्थिक रूप से मजबूत होने के कारण हमारा देश सोने की चिड़िया कहलाता था, यदि हम संसाधनों का सदुपयोग करें और राष्ट्रीयता की भावना को और सुदृढ़ करें तो फिर से भविष्य में हम सोने की चिड़िया बन सकते हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य वक्ता सुरेश जैन। • पीआरओ

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	22-7.23	4	1-6

युवाओं के रग-रग में राष्ट्रीयता की भावना जरूरी : सुरेश जैन

हकृवि में राष्ट्रीय एकता शिविर में दिख रहे अलग नजारे

हिसार, 21 जुलाई (राठी): राष्ट्रीय एकता शिविर से युवाओं में व्यक्तित्व का विकास किया जा सकता है। आत्म विश्लेषण व आत्म विश्वास अपने अंदर जरूर पैदा करें, उससे ही आपका व्यक्तित्व विकास होगा। तभी देश के सामाजिक विकास में हम अहम योगदान दे सकेंगे।

ये विचार वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश जैन ने कहे, जोकि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन के विशेष कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य वक्ता सुरेश जैन ने हकृवि में पढ़ने वाली छात्राओं की संख्या जानकार प्रसन्नता व्यक्त की व कहा कि छात्राओं का समाज के विकास में अहम योगदान होता है। मुख्य वक्ता ने राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेनी वाली छात्राओं से विशेष रूप से 4 बातों का अनुसरण करने के लिए आह्वान किया, जिनमें पहली बात आत्मविश्वास को बढ़ाने, शरीर को स्वस्थ रखने, संस्कारों की समझ रखने व कार्य दक्षता बढ़ाने पर जोर ने के लिए कहा।

राष्ट्रीय एकता शिविर के संध्याकाल में नृत्य पेश करते कलाकार।

स्वयंसेवकों से रूबरू होते मुख्य वक्ता सुरेश जैन व कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज।कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को नशा न करने की शपथ दिलाते सुकून काउंसिल राहुल शर्मा।

स्वयंसेवकों ने जागरूकता निकाली रैली

विश्वविद्यालय के गेट नंबर. 4 से कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली की शुरुआत की। यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्कीट, सैक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची।

इस रैली में स्वयंसेवकों ने सामाजिक बुराईयों व कुरीतियों को खत्म करने व अपने अंदर राष्ट्रीयता और देश प्रेम की भावना पैदा करने के लिए लोगों को जागरूक किया। 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने इस रैली में अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया।

उत्तराखंड के गाने ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो पर थिरके स्वयंसेवक

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी।

उत्तराखंड के कलाकारों ने कुमाउनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने काजारी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व रंगीला स्टाइल से अपनी-अपनी संस्कृति से रूबरू करवाया। ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो और बजू पाको बाश मासा-नरेण काफल पाको चैत मेरी छैला गाने पर कलाकारों ने थिरकर जिंदगी जीने की सार्थकता को बताया। खास बात थी कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में आयोजित रंगा-रंग कार्यक्रम में लघु भारत की झलक देखने को मिली।

आधुनिक विज्ञान व पौराणिक ज्ञान में सामंजस्य स्थापित करना जरूरी: प्रो. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने आत्म अवलोकन व कौशल विकास करने पर युवाओं को जोर देने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवक जो भी बातें सीखते हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में अनुसरण कर देश के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें। प्राकृतिक संसाधनों की भरपूर उपलब्धता व आर्थिक रूप से मजबूत होने के कारण हमारा देश सोने की चिड़िया कहलाता था, यदि हम संसाधनों का सदुपयोग करें और राष्ट्रीयता की भावना को और सुदृढ़ करें तो फिर से भविष्य में हम सोने की चिड़िया बन सकते हैं।

उन्होंने बताया कि आधुनिक विज्ञान को यदि पौराणिक ज्ञान के साथ सामंजस्य स्थापित कर नवीनतम तकनीक विकसित की जाएं तो अधिक कारगर होगी। उन्होंने राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे मन में किसी भी प्रकार की शंका न रखें बल्कि अपनी शंकाओं को दूर करने के लिए शिविर में आने वाले विशेषज्ञों से सवाल पूछकर निवारण करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-7-23	4	3-6

दैनिक भास्कर की ओर से एचएयू के कृषि कॉलेज के सभागार में रिश्तों को समझें, रिश्तों को जिएं... उत्सव रिश्तों का कार्यक्रम आयोजित

रिश्ते हमने बनाए, नाता भगवान ने बनाया, नातों में गड़बड़ हो तो भगवान पर करें भरोसा : पं. विजय शंकर मेहता

भास्कर न्यूज | हिसार

[illegible]

हिसार | कृषि कॉलेज के सभागार में दैनिक भास्कर द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'रिश्तों को समझें, रिश्तों को जिएं'... उत्सव रिश्तों का' में पंडित विजय शंकर मेहता का उद्बोधन सुनते हुए [illegible]

5 रिश्ते परिवार प्रबंधन का आधार... पढ़िए रिश्तों को कैसे जिएं

मेहता के अनुसार परिवार की धुरी पांच रिश्तों पर टिकी है, जो माता-पिता और संतान, भाई, भाई-बहन और पति-पत्नी के अलावा रिश्तेदारी है।

1. माता-पिता और संतान: [illegible]

2. भाई-बहन: [illegible]

3. भाई-भाई: [illegible]

4. पति-पत्नी: [illegible]

5. रिश्तेदारी: [illegible]

परिवार के बुजुर्गों को समय दीजिए

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	23.7.23	5	2-8

ज्वार की नई उत्पादन तकनीकों से पशुपालकों और किसानों को होगा लाभ: कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर छाया हकृवि

सच कहूँ/संदीप सिंहमार

हिसार। हकृवि के चारा अनुभाग की टीम को दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र का ऑवार्ड मिलने पर बधाई देते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि सिश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ठ अनुसंधानों के लिए लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2022-23 का सर्वश्रेष्ठ अनसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय कृषि अनुंसधान परिषद, नई दिल्ली के अंतर्गत भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 53वीं वार्षिक समूह बैठक में परोक्ष परिषद् के सहायक महानिदेशक (खाद्य एवं चारा फसल) डॉ. एस.के. प्रधान ने यह अवार्ड प्रदान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फास्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन, ज्वार-बरसीम फसल-चक्र की उत्पादन तकनीक विकसित करने, बहुवर्षीय ज्वार की समग्र सिफारिशें अनुमोदित करने के साथ ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं जिनके दृष्टिगत ये अवार्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें से सीएसवी-53 एफ किस्म, एचजेएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में विकसित की गई किस्में हैं। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए अनुभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी और कहा कि ये किस्में किसानों व पशुपालकों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होंगी।

ज्वार की नई किस्मों की ये हैं विशेषताएं

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने जवार की नई किस्मों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि इन तीनों किस्मों में प्रोटीन की मात्रा व पाचनशीलता अधिक होने के कारण ये पशुओं के लिए बहुत उत्तम हैं। उन्होंने बताया ज्वार की सीएसवी 53 एफ एक कटाई वाली किस्म है जिसको देश के ज्वार उगाने वाले सभी राज्यों के लिए अनुमोदित किया गया है। इस किस्म की हरे चारे की औसत पैदावार 483 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। यह शूट फ्लाई, स्टेम बोरर जैसे कीड़ों के प्रति प्रतिरोधी है व ग्रे-लीफ स्पॉट व शूटी स्ट्रिप बीमारी के प्रति प्रतिरोधी है। इस किस्म को चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों डॉ. पम्मी कुमारी, एस.के. पाहुजा, डी.एस. फोगाट, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा एवं मनजीत सिंह की टीम ने विकसित किया है।

हरियाणा राज्य में बिजाई के लिए चिन्हित की गई हैं किस्में

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया ज्वार की एचजेएच 1513 व एचजे 1514 किस्में हरियाणा राज्य में बिजाई के लिए चिन्हित की गई हैं। इनमें से एचजेएच 1513 एक कटाई वाली हाइब्रिड किस्म है और इसकी हरे चारे की औसत पैदावार 717 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह मीठी व जूसी किस्म है जिसमें 8.6 प्रतिशत प्रोटीन व 53 प्रतिशत पाचनशीलता है। यह पत्ती रोगों के प्रति प्रतिरोधी व शूट फ्लाई व स्टेम बोरर कीड़ों के प्रति सहनशील है। इस किस्म को विकसित करने का श्रेय डॉ. पी कुमारी, डीएस फोगाट, सत्यवान आर्य, एसके पाहुजा, सतपाल, नीरज खरोड़, बजरंग लाल शर्मा, दलविंद्रपाल सिंह, मनजीत सिंह व सरिता देवी को जाता है।

बढ़ेगी हरे व सूखे चारे की पैदावार

इसी प्रकार एचजे 1514 एक कटाई वाली किस्म है। जिसकी हरे चारे की पैदावार 664 व सूखे चारे की पैदावार 161 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह अधिक प्रोटीन वाली किस्म है। यह पत्ती रोगों के प्रति प्रतिरोधी व शूट फलाई व स्टेम बोरर कीड़ों के प्रति सहनशील है। इस किस्म को विकसित करने वाले वैज्ञानिकों में डॉ. पी. कुमारी, डी.एस. फोगाट, एस. आर्य, एस.के. पाहुजा, सतपाल, नीरज खरोड़, बजरंग लाल शर्मा, दलविंदर पाल सिंह, विनोद कुमार व सरिता देवी शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22.7.23	1	1-3

रिश्तों को समझें, रिश्तों को जिएं... विषय पर दिया व्याख्यान

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि कॉलेज के सभागार में दैनिक भास्कर द्वारा आयोजित उत्सव रिश्तों का कार्यक्रम में पंडित विजय शंकर मेहता दीप प्रज्वलित करते हुए। रिश्तों को समझें, रिश्तों को जिएं... विषय पर व्याख्यान देते हुए पंडित विजय शंकर मेहता। - *विस्तृत समाचार पढ़िए पेज 4 पर*

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22.7.23	2	3-6

कार्यक्रम • एचएयू के शिविर में उत्तराखंड, बिहार व यूपी के स्वयंसेवकों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो' से जिंदगी जीने की सार्थकता बताई

एचएयू में एनएसएस के कार्यक्रम में प्रस्तुतियां देते कलाकार

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के राष्ट्रीय सेवा योजना की तरफ से आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन के संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर सभी का मनमोह लिया। स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी। उत्तराखंड के कलाकारों ने कुमाउनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने काजारी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व रंगीला स्टाइल से अपनी-अपनी संस्कृति से रूबरू करवाया। 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो' और 'बजू पाको बाश मासा-नरेण काफल पाको चैत मेरी छैला' गाने पर कलाकारों ने थिरक कर जिंदगी जीने की सार्थकता को बतलाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आयोजित रंगा-रंग कार्यक्रम में लघु भारत की झलक देखने को मिली, जिसे देखने पर 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों सहित अन्य दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

इसके बाद सायंकालीन में विश्वविद्यालय के गेट नंबर- 4 से कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली की शुरुआत की। यह रैली एचएयू के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सेक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। इस रैली में स्वयंसेवकों ने सामाजिक बुराइयों व कुरीतियों को खत्म करने व अपने अंदर राष्ट्रीयता और देश प्रेम की भावना पैदा करने के लिए लोगों को जागरूक किया। 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने इस रैली में अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया।

सम्मान देकर बढ़ाया जा सकता है महिलाओं का आत्म-विश्वास : सुरेश

हिसार| राष्ट्रीय एकता शिविर से युवाओं में व्यक्तित्व का विकास किया जा सकता है। आत्म-विश्लेषण व आत्म-विश्वास अपने अंदर जरूर पैदा करें, उससे ही आपका व्यक्तित्व विकास होगा। तभी देश के सामाजिक विकास में हम अहम योगदान दे सकेंगे। ये विचार वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश जैन ने कहे, जो चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि कॉलेज सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन के विशेष कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य वक्ता सुरेश जैन ने एचएयू में पढ़ने वाली छात्राओं की संख्या जानकार प्रसन्नता व्यक्त की व कहा कि छात्राओं का समाज के विकास में अहम योगदान होता है। मुख्य वक्ता ने राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेनी वाली छात्राओं से विशेष रूप से 4 बातों का अनुसरण करने के लिए आह्वान किया, जिनमें पहली बात आत्म-विश्वास को बढ़ाने, शरीर को स्वस्थ रखने, संस्कारों की समझ रखने व कार्य-दक्षता बढ़ाने पर जोर देने के लिए कहा। युवाओं को व्यक्तित्व विकास के लिए उनको आत्म-विश्लेषण, संस्कारों की समझ व सकारात्मकता का भाव को बहुत महत्वपूर्ण बतलाया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने आत्म-अवलोकन व कौशल विकास करने पर युवाओं को जोर देने के लिए कहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	22-7-23	4	3-5

उत्तराखंड के गाने 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो' पर थिरके स्वयंसेवक

एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन के संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग प्रस्तुति दी। स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी।

उत्तराखंड के कलाकारों ने कुमाउंनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने कजारी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व रंगीला स्टाइल से अपनी-अपनी संस्कृति से रूबरू करवाया। 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो' और 'बजू पाको बाश मासा-नरेण काफल पाको चैत मेरी छैला' गाने पर कलाकारों ने थिरकर जिंदगी जीने की सार्थकता को बतलाया।

कार्यक्रम को देखकर 16 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों सहित अन्य दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। विश्वविद्यालय के गेट नंबर- 4 से कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली की शुरुआत की।

इस रैली में स्वयंसेवकों ने सामाजिक बुराइयों व कुरीतियों को खत्म करने व अपने अंदर राष्ट्रीयता और देश प्रेम की भावना पैदा करने के लिए लोगों को जागरूक किया।

एचएयू में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते उत्तराखंड के स्वंयसेवक। संवाद

आत्म-विश्वास अपने अंदर जरूर पैदा करें...

हिसार। राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन के विशेष कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सुरेश जैन ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर से युवाओं में व्यक्तित्व का विकास किया जा सकता है। आत्म-विश्लेषण व आत्म-विश्वास अपने अंदर जरूर पैदा करें, उससे ही आपका व्यक्तित्व विकास होगा। छात्राओं से विशेष रूप से 4 बातों का अनुसरण करने के लिए आह्वान किया। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने आत्म-अवलोकन व कौशल विकास करने पर युवाओं को जोर देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवक जो भी बातें सीखते हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में अनुसरण कर देश के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	22-7-23	5	4-8

एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली

एचएयू: उत्तराखंड के गाने 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो' पर थिरके स्वयंसेवक

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन के संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी। उत्तराखंड के कलाकारों ने कुमाउनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने काजारी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व

राष्ट्रीय एकता शिविर के संध्याकाल में नृत्य पेश करते कलाकार।

रंगीला स्टाइल से अपनी-अपनी संस्कृति से रूबरू करवाया। 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो' और 'बजू याको बाश मासा-नरेण काफल पाको चैत मेरी छैला' गाने पर कलाकारों ने थिरकर जिंदगी जीने की सार्थकता को बतलाया। खास बात थी कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में आयोजित रंगा-रंग कार्यक्रम में लघु भारत की झलक देखने को मिली, जिसे देखने पर 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों सहित अन्य दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इसके बाद सायंकालीन में विश्वविद्यालय के गेट नंबर- 4 से कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली की शुरूआत की।

यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सेक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। इस रैली में स्वयंसेवकों ने सामाजिक बुराईयों व कुरीतियों को खत्म करने व अपने अंदर राष्ट्रीयता और देश प्रेम की भावना पैदा करने के लिए लोगों को जागरूक किया। 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने इस रैली में अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-7-23	5	3-6

एचएयू: उत्तराखंड के गाने 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो' पर थिरके स्वयंसेवक

एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली

हिसार, 21 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन के संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी। उत्तराखंड के कलाकारों ने कुमाउनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने कोजारी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व रंगीला स्टाइल से अपनी-अपनी संस्कृति से रूबरू करवाया। 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो' और 'बजू पाको बाश मासा-नरेण काफल पाको चैत मेरी छैला' गाने पर कलाकारों ने थिरकर जिंदगी जीने की सार्थकता को बतलाया। खास बात थी कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में आयोजित रंगा-रंग कार्यक्रम में लघु भारत की झलक देखने को मिली, जिसे देखने पर 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों सहित अन्य दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इसके बाद सायंकालीन में विश्वविद्यालय के गेट नंबर- 4 से कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरी झंड़ी दिखाकर जागरूकता रैली की शुरुआत की। यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सेक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। इस रैली में स्वयंसेवकों ने सामाजिक बुराईयों व कुरीतियों को खत्म करने व अपने अंदर राष्ट्रीयता और देश प्रेम की भावना पैदा करने के लिए लोगों को जागरूक किया। 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने इस रैली में अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया।

राष्ट्रीय एकता शिविर के संध्याकाल में नृत्य पेश करते कलाकार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	22.7.23	10	4-5

'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी, पाणी ठंडो' पर थिरके स्वयंसेवक

हिसार 21 जुलाई (हप्र)

एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन के संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी। उत्तराखंड के कलाकारों ने कुमांउनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने काजारी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व रंगीला स्टाइल से अपनी-अपनी संस्कृति से रूबरू करवाया। 'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी, पाणी ठंडो' और 'बेडू पाको बारामासा-नरेण काफल पाको चैता मेरी छैला' गाने पर कलाकारों ने थिरकर जिंदगी जीने की सार्थकता को बतलाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	21.07.2023	--	--

युवाओं के रग-रग में राष्ट्रीयता की भावना जरूरी : सुरेश जैन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। राष्ट्रीय एकता शिविर से युवाओं में व्यक्तित्व का विकास किया जा सकता है। आत्म-विश्लेषण व आत्म-विश्वास अपने अंदर जरूर पैदा करें, उससे ही आपका व्यक्तित्व विकास होगा। तभी देश के सामाजिक विकास में हम अहम योगदान दे सकेंगे। ये विचार वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश जैन ने कहे, जोकि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन के विशेष कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य वक्ता सुरेश जैन ने हकृवि में पढ़ने वाली छात्राओं की संख्या जानकर प्रसन्नता व्यक्त की व कहा कि छात्राओं का समाज के विकास में अहम योगदान होता है। मुख्य वक्ता ने राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेनी वाली छात्राओं से विशेष रूप से 4 बातों का अनुसरण करने के लिए आह्वान किया, जिनमें पहली बात आत्म-विश्वास को बढ़ाने, शरीर को स्वस्थ रखने, संस्कारों की समझ रखने व कार्य-दक्षता बढ़ाने पर जोर देने के लिए कहा। छात्राओं में आत्म-विश्वास उन्हें स्नेह, सम्मान व उनके अस्तित्व को स्वीकार कर बढ़ाया जा सकता है।

आधुनिक विज्ञान व पौराणिक ज्ञान में सामंजस्य स्थापित करना जरूरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने आत्म-अवलोकन व कौशल विकास करने पर युवाओं को जोर देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवक जो भी बातें सीखते हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में अनुसरण कर देश के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें।

उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में नई पीढ़ी को बचपन से ही देशभक्ति पैदा करनी जरूरी, जिसमें माता-पिता व शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। युवाओं को व्यक्तित्व विकास के लिए उनको आत्म-विश्लेषण, संस्कारों की समझ व सकारात्मकता का भाव को बहुत ही महत्वपूर्ण बतलाया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	21.07.2023	--	--

'ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी, पानी ठंडों' गाने पर थिरके स्वयंसेवक

एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	21.07.2023	--	--

हिन्दुस्थान समाचार

हिसार: सम्मान देकर बढ़ाया जा सकता महिलाओं का आत्मविश्वास: सुरेश जैन

हिसार, 21 जुलाई (हि.स.)। राष्ट्रीय एकता शिविर से युवाओं में व्यक्तित्व का विकास किया जा सकता है। आत्म-विश्लेषण व आत्म-विश्वास अपने अंदर जरूर पैदा करें, उतना ही आपका व्यक्तित्व विकास होगा और तभी देश के सामाजिक विकास में कुछ अहम योगदान दे सकेंगे।

यह बात वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश जैन ने कही। वह शुक्रवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन मुख्य वक्ता के तौर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सुरेश जैन ने हकृवि में पढ़ने वाली छात्राओं की संख्या जानकर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि छात्राओं का समाज के विकास में अहम योगदान होता है।

मुख्य वक्ता ने राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेने वाली छात्राओं से विशेष रूप से कुछ बातों का अनुसरण करने के लिए आह्वान किया। उन्होंने आत्म-विश्वास को बढ़ाने, शरीर को स्वस्थ रखने, भावनाओं की समझ रखने व कार्य-दक्षता बढ़ाने पर जोर देने के लिए कहा। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि छात्राओं में आत्म-विश्वास उन्हें प्रेम, सम्मान व उनके अस्तित्व को स्वीकार कर बढ़ाया जा सकता है। वर्तमान समय में नई पीढ़ी में बचपन से ही ऐसा भविष्य पैदा करनी पड़ेगी, जिसमें माता-पिता व शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए आत्म-विश्लेषण, भावनाओं की समझ व सकारात्मकता के भाव को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने आत्म-अवलोकन व कौशल विकास के संबंध में युवाओं को जोर देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवक जो भी बातें सीखते हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में अनुसरण करके देश के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें। इससे पूर्व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद किया।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/सुमन/संजीव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	21.07.2023	--	--

हिन्दुस्थान समाचार

हिसार: उत्तराखंड के गाने ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो पर थिरके स्वयंसेवक

एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने निकाली रैली

हिसार, 21 जुलाई (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में शुक्रवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसमें उत्तराखंड, झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवकों ने रंगारंग प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

स्वयंसेवकों ने नृत्य, गायन, वादन व लघु नाटिका के माध्यम से अपने-अपने लोकगीत, वेशभूषा, संस्कृति की छटा बिखेरी। उत्तराखंड के कलाकारों ने कुमाउनी, झारखंड के कलाकारों ने झारखंडी, बिहार के कलाकारों ने भोजपुरी व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अवधि व रंगीला म्हारा से अपनी-अपनी संस्कृति से रूबरू करवाया। ठंडो रे ठंडो मेरे पहाड़ की हवा ठंडी-पानी ठंडो और बाबू पानी वाला [illegible] गाने पर कलाकारों ने [illegible] जिंदगी जीने की [illegible] को बतलाया। खास बात थी कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में आयोजित रंग-रंग कार्यक्रम में लघु भारत की झलक देखने को मिली, जिसे देखने पर 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों सहित अन्य दर्शक भावविभोर हो गए।

इसके बाद विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 से कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली की शुरुआत की। यह रैली विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 से शुरू होकर जवाहर नगर मार्केट, सेक्टर 15, मेन राजगढ़ रोड से होते हुए वापिस विश्वविद्यालय पहुंची। इस रैली में स्वयंसेवकों ने सामाजिक बुराइयों व कुरीतियों को खत्म करने व अपने अंदर राष्ट्रीयता और देश प्रेम की भावना पैदा करने के लिए लोगों को जागरूक किया। देश के 17 प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने इस रैली में अपनी वेशभूषा के साथ नृत्य कर संस्कृति, विविधता व अखंडता का परिचय दिया।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	21.07.2023	--	--

हकृवि के शिविर में कलाकारों ने लोकगीत व नृत्य की प्रस्तुति देकर मेहमानों को हरियाणवी संस्कृति से जोड़ा

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 21 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में संध्याकाल में विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में हरियाणा प्रदेश के स्वयंसेवकों ने हरियाणवी नृत्य, गायन व वादन में बेहतरीन प्रस्तुति देकर समां बांधा। कलाकारों ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से लोकगीतों, वेशभूषा, संस्कृति का परिचय देकर 16 राज्यों से आए स्वयंसेवकों सहित अन्य दर्शकों को हरियाणवी संस्कृति से जोड़ा, जिससे कलाकारों ने खूब तालियां बटोरी। इसके अलावा कलाकारों ने रैंप वॉक कर हरियाणवी रहन-सहन से लेकर जीवन शैली का परिचय दिया। इसी प्रकार, शिविर के दूसरे दिन प्रातःकाल विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में युवा व प्राचीन भारत विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर समाजसेवी कृष्ण कुमार रहे। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को यदि जिम्मेदार नागरिक बनाना है तो शुरू में ही उनको कर्तव्यों का बोध करवाना आवश्यक है। इसके अलावा मुख्य वक्ता ने संस्कृति के दो पहलू त्याग व सेवा को आधार बताया। उन्होंने बताया कि हमें आर्थिक ढांचे को सुधारने की बजाय सर्वप्रथम सांस्कृतिक ढांचे को सुधारने की जरूरत है। इससे पूर्व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, डॉ. चंद्रशेखर डागर सहित अन्य एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी भी मौजूद रहे।